



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 245]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 30, 2012/ज्येष्ठ 9, 1934

No. 245]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 30, 2012/JYAISTHA 9, 1934

रक्षोपाय महानिदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

रक्षोपाय जांच प्रारंभ करने की सूचना

[सीमा शुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 6 के अन्तर्गत]

नई दिल्ली, 30 मई, 2012

विषय : भारत को चीन जन. गण. से इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के आयात के संबंध में रक्षोपाय जांच की शुरुआत ।

सा.का.नि. 407(अ).—चीन जन.गण. से इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स का भारत को संवर्धित आयात से इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के घरेलू उत्पादकों को कारित बाजार विकृति और बाजार विकृति की आशंका से उनकी रक्षा करने तथा भारत में इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के आयात पर रक्षोपाय शुल्क अधिरोपित करने के लिए सीमा शुल्क टैरिफ (परिवर्ती उत्पाद विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क) नियम, 2002 के नियम 5 के अन्तर्गत मेरे समक्ष (i) मैसर्स आदित्य बिरला नुवो लिमिटेड, इन्डियन रेयान कम्पाऊंड, वेरावल गुजरात (ii) मैसर्स इन्सुलेटर्स एण्ड इलेक्ट्रिकल कम्पनी, 1-8 न्यू इन्डस्ट्रियल एरिया, पोस्ट बॉक्स-1, मंदीदीप-462046, मध्य प्रदेश; (iii) मैसर्स मॉडर्न इन्सुलेटर्स लिमिटेड, पोस्ट बॉक्स नं. 23, आबू रोड-307026, राजस्थान और (iv) मैसर्स डब्ल्यू एस इन्डस्ट्रीज (इण्डिया) लिमिटेड, 108 पूनामेल रोड, पोरूर चेन्नई-600116 द्वारा एक आवेदन-पत्र दायर किया गया है ।

2. घरेलू उद्योग : इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने हेतु यह आवेदन, संयुक्त रूप से (i) मैसर्स आदित्य बिरला, नुवो लिमिटेड, इन्डियन रेयान कम्पाऊंड, वेरावल गुजरात (ii) मैसर्स इन्सुलेटर्स एण्ड इलेक्ट्रिकल कम्पनी, 1-8 न्यू इन्डस्ट्रियल एरिया, पोस्ट बॉक्स-1 मंदीदीप-462046, मध्य प्रदेश; (iii) मैसर्स मॉडर्न इन्सुलेटर्स लिमिटेड, पोस्ट बॉक्स नं. 23, आबू रोड-307026, राजस्थान और (iv) मैसर्स डब्ल्यू एस इन्डस्ट्रीज (इण्डिया) लिमिटेड, 108 पूनामेल रोड, पोरूर चेन्नई-600116 द्वारा दायर किया गया है । भारत में इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के कुल उत्पादन में 70% से अधिक हिस्सा इन उत्पादकों का है। यह याचिका मैसर्स बीएचईएल, नई दिल्ली-110049 द्वारा भी समर्थित है।

3. संबद्ध उत्पाद : प्रस्तुत आवेदन पोरसीलेन/सीरामिक अथवा ग्लास/काँच से बने इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स, असेम्बलड या अनअसेम्बलड, जिनका चीन जन.गण. में उत्पादन किया जाता है या वहाँ से उनका निर्यात किया जाता है और जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के मद संख्या 85.46 के अंतर्गत वर्गीकृत है, पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने हेतु दायर किया गया है। दोनों वस्तुओं, पोरसीलेन/सीरामिक अवरोधी (जिन्हें मद संख्या 8546.20 में वर्गीकृत किया गया है) और ग्लास अवरोधी (जिसे मद संख्या 8546.10 में वर्गीकृत किया गया है) को उनके अभिलक्षण, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रकार्य और विनिमय प्रयोग को ध्यान में रखते हुए एक जैसी या समान वस्तु माना गया है। सीरामिक के घरेलू रूप से उत्पादित इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स और आयात किये गये पोरसीलेन/सिरैमिक या शीशे से बने इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स की आपस में तुलना की जा सकती है। विद्युत अवरोधियों का मुख्य कार्य उच्च वोल्टेज वाले क्षेत्रों में एक कण्डक्शन बाडी को दूसरे से इन्सुलेट करना है या फिर ऐसे पिंडों को इन्सुलेट करना है जो आप-पास के ऐसे क्षेत्रों में विद्युत ऊर्जा को संचारित कर सकते हैं जहां संचारन को रोका जाना आवश्यक है ।

4. जांच की अवधि (पीओआई): वर्तमान आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही बाजार विकृति या बाजार विकृति की चुनौती पर आधारित बिल्कुल नया मामला है। इस मामले की जांच अवधि वर्ष 2008-09 से लेकर 2011-12 तक है। (दिस. 2011 तक)

5. वर्धित आयात: भारत में चीन जन.गण. से विद्युत अवरोधियों के आयात में सम्पूर्ण क्षति अवधि में काफी तीव्र एवं अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 के बाद से विद्युत अवरोधी के आयात से संबंधित विश्व व्यापार मानचित्रावली के अनुसार विधिवत् सत्यापित आंकड़े निम्नांकित हैं:-

चीन जन गणराज्य से इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स का आयात

मी.टन में

	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12 (दिस. तक)
सिरेमिक अवरोधी	7676	9685	13768	9535
कॉच अवरोधी	4358	6737	12782	11706
कुल आयात	12034	16422	26550	21241
2008-09 की तुलना में सिरेमिक अवरोधी की बढ़ोतरी का प्रतिशत	100	26	79	24
2008-09 की तुलना में कॉच अवरोधी की बढ़ोतरी का प्रतिशत	100	55	193	169
वर्ष 2008-09 की तुलना में कुल बढ़ोतरी प्रतिशत	100	36	121	135

यह स्पष्ट है कि विचाराधीन उत्पाद का आयात सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान तीव्र गति से बढ़ा है। चीन जन गणराज्य से आयात 2008-09 में 12034 मी.टन से बढ़कर वर्ष 2011-12 (दिसम्बर) में 21241 मी.टन हो गया, जिसमें 135% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

6. घरेलू उद्योग में बाजार विकृति: आवेदकों (जिन्हें एतदपश्चात् घरेलू उद्योग कहा गया है) का दावा है कि विद्युत अवरोधी के बढ़ते आयात ने घरेलू उत्पादकों के समक्ष बाजार विकृति की स्थिति उत्पन्न कर दी है और साथ ही, इसकी आशंका भी उत्पन्न कर दी है। संवर्धित आयातों से घरेलू उद्योगों को कीमत घटाने पर मजबूर कर दिया गया जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग घाटे में अपना उत्पाद बेचने पर मजबूर हैं। घरेलू उद्योगों का विकास प्रतिकूल होता जा रहा है और वे खपत के अनुपात में उत्पादन करने या उसकी बिक्री करने में अक्षम हैं। बाजार विकृति की स्थिति आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से, जिनका विवरण निम्नलिखित है, पूर्णतः विदित है:

क) उत्पादन: घरेलू उत्पादन वित्तीय वर्ष 2010-11 में बढ़ा, परन्तु उसके बाद उसमें बुरी तरह से गिरावट आई। घरेलू उद्योग का उत्पादन सूचकांक वित्त वर्ष 2010-11 में 122 से कम होकर वर्ष 2011-12 (दिसम्बर 2011) में 109 तक पहुँच गया।

सारणी-क

वित्तीय वर्ष	उत्पादन (मी.टन)	उत्पादन सूचकांक	चीन जन.गण से आयात (मी.टन)	चीन से आयात सूचकांक
2008-09	73723	100	12034	100
2009-10	78404	106	16422	136
2010-11	90264	122	26550	220
2011-12 (दिसं 2011.)	60285	109	21241	235

घरेलू उत्पादन के अनुपात में चीन जन.गण. से आयात में तेजी से वृद्धि हुई। चीन से आयात का यह सूचकांक 235 तक बढ़ा। इसकी तुलना में घरेलू उत्पादन का सूचकांक वर्ष 2011-12 (दिसम्बर) में सिर्फ 109 तक पहुँच पाया।

(ख) बाजार हिस्सा और बिक्री के स्तर में बदलाव: हाल की अवधि में घरेलू उत्पादन के बाजार हिस्से में तीव्रता से गिरावट आई और चीन जन.गण. से किये गये आयात का हिस्सा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। आवेदकों का बाजार हिस्सा वर्ष 2008-09 में 57.6% था जो वर्ष 2011-12 (दिसम्बर) में गिरकर 53.3% आ पहुँचा, अर्थात् इसमें 4.3% की गिरावट आई। उसी अवधि के दौरान चीन से आयातित वस्तुओं का बाजार हिस्सा वर्ष 2008-09 में 11.8% से बढ़कर वर्ष 2011-12 (दिसम्बर) में 22.8%, लगभग दो गुना हो गया।

सारणी-ख

मी.टन में

वित्तीय वर्ष	चीन से आयात	अन्य देशों से आयात	कुल आयात	घरेलू उद्योग की बिक्री	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	कुल मांग	बाजार हिस्से का प्रतिशत		
							घरेलू उद्योग	चीन से आयात	अन्य देश
2008-09	12034	1465	13499	58684	29630	101813	57.6	11.8	1.4
2009-10	16422	739	17161	65927	30805	113893	57.9	14.4	0.6
2010-11	26550	611	27161	77059	28970	133190	57.9	19.9	0.5
2011-12(दिसं.)	21241	454	21695	49674	21769	93138	53.3	22.8	0.5

यद्यपि, घरेलू उद्योग की बिक्री वित्तीय वर्ष 2010-11 तक बढ़ी परन्तु अत्यधिक हाल की अवधि 2010-11 में 77059 मी.टन से वर्ष 2011-12 में घटकर 66232 मी.टन (वार्षिकीकृत) तक जा पहुँची। वर्ष 2008-09 में 101813 मी.टन से वर्ष 2011-12 में 124184 मी.टन (वार्षिकीकृत) की वर्धित मांग के बावजूद इसकी बिक्री में गिरावट आई। इससे यह स्पष्ट होता है कि चीन जन.गण. से वर्धित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को प्रत्यक्ष रूप से बिक्री एवं बाजार हिस्से में घाटे को वहन करना पड़ा।

(ग) क्षमता उपयोग: वर्धित आयात के कारण घरेलू उत्पादक की उत्पादन क्षमता बुरी तरह निष्क्रिय होती जा रही है। क्षमता प्रयोग में अभी हाल की अवधि अर्थात् वर्ष 2008-09 में 78 प्रतिशत से वर्ष 2011-12 (दिसं.) में 64% की गिरावट दर्ज की गई है, जैसा कि नीचे तालिका से स्पष्ट है

तालिका-ग

संस्थापित क्षमता और उत्पादन (मी.टन) में

वित्तीय वर्ष	संस्थापित क्षमता	उत्पादन	क्षमता उपयोग %
2008-09	94680	73723	78
2009-10	111380	78404	70
2010-11	122130	90264	74
2011-12(दिसं 2011.)	93810	60285	64

(घ) लाभ/हानि - वर्धित आयात से कीमतों में गिरावट आ रही है जिससे घरेलू उत्पादकों को मूल्य कम करने पर मजबूर किया जा रहा है। घरेलू उत्पादकों का लाभ प्रतिशत तीव्रता से घट रहा है और घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटे का सामना करना पड़ रहा है। यह नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:

सारणी-घ

वित्तीय वर्ष	लाभप्रदता (सूचकांक)
2008-09	100
2009-10	53.54
2010-11	29.9
2011-12(दिसं 2011.)	(125.9)

वर्ष 2008-09 में लाभ की स्थिति के उपरान्त अब घरेलू उद्योग भारी घाटे में जा रहे हैं।

(ङ.) माल सूची - आयात में बढ़ोत्तरी और बाजार हिस्से में घाटे के कारण घरेलू उद्योग की माल सूची में तीव्रता से वृद्धि हुई है। नीचे दी गई तालिका माल सूची को दर्शाती है जिसमें वर्ष 2008-09 में 6038 मी.टन से वर्ष 2011-12 (दिसम्बर) में 8719 मी.टन की भारी वृद्धि पाई गई, जो कि घरेलू उद्योग की गंभीर स्थिति की सूचक है:

सारणी-ङ

वित्तीय वर्ष	माल सूची (मी.टन में)
2008-09	6038
2009-10	6319
2010-11	5959
2011-12(दिसं 2011.)	8719

उपर्युक्त कारणों से घरेलू उद्योग को लंबे समय तक उत्पादन बंद करने हेतु मजबूर होना पड़ा जिसका मुख्य कारण भंडारों में वृद्धि था।

(च) उत्पादकता और रोजगार- संबंधित क्षमता के अनुरूप रोजगार की स्थिति में वृद्धि हुई है। उत्पादकता भी वर्ष 2010-11 तक बढ़ती रही परन्तु वर्ष 2011-12 (दिस.) के दौरान इसमें गिरावट आई है। उच्च मालसूची के संग्रहण और बाजार हिस्से में घाटे के कारण घरेलू उद्योग का उत्पादन लड़खड़ा गया और उसकी उत्पादकता में गिरावट आई है।

तालिका-च

वित्तीय वर्ष	उत्पादन (मी.टन)	रोजगार (संख्या)	कर्मचारी उत्पादकता
2008-09	73723	6130	12
2009-10	78404	6788	12
2010-11	90264	6885	13
2011-12(दिसं 2011.)	60285	7131	11

7. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में चीन जन.गण. के मूल के इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के आयातों पर चार साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लागू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का चीन जन.गण. से संबंधित आयात के कारण बाजार विकृति और बाजार विकृति की आशंका से घरेलू उद्योग के निष्पादन में आई तीव्र गिरावट के मद्देनजर अनन्तिम रक्षोपाय शुल्क लगाया जाए।

8. आवेदन की जाँच की गई और प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के बढ़े हुए आयात के कारण इलेक्ट्रिकल इन्सुलेटर्स के घरेलू उत्पादकों की बाजार विकृति हुई है और बाजार विकृति की स्थिति उत्पन्न हो रही है और इस कारण इस नोटिस के जरिए इस मामले की जाँच प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है।

9. सभी हितबद्ध पक्षकार अपने विचारों से इस नोटिस के जारी होने के 30 दिनों के अन्दर निम्न पते पर अवगत करा सकते हैं:-

रक्षोपाय महानिदेशक
सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
भाई वीर सिंह साहित्य सदन, द्वितीय तल,
भाई वीर सिंह मार्ग,
गोल मार्केट, नई दिल्ली -110001,
भारत
टेलीफोन: 011-23741537
फैक्स: 011-23741542
ई-मेल: [dgsafeguards@nic.in](mailto:dg safeguards@nic.in)

10. सभी हितबद्ध पक्षकारों को अलग से भी सूचित किया जा रहा है।

11. जांच से संबंधित कोई अन्य पक्षकार, जो यह चाहता है कि उसे हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना जाए, अपना अनुरोध इस तरह प्रस्तुत कर सकता है जिससे कि वह इस नोटिस की तारीख से 21 दिनों के अन्दर ऊपर उल्लिखित पते पर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास अवश्य पहुंच जाए।

[फा. सं. डी-22011/14/2011]

इन्द्राणी दत्त मजूमदार, महानिदेशक

1946 GJ/12-2

DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS**Customs and Central Excise****NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION****[Under Rule 6 of the Custom Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002]**

New Delhi, the 30th May, 2012

Sub : Initiation of Safeguard Investigation Concerning Imports of Electrical Insulators into India from China PR.

G.S.R. 407(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Custom Tariff (Transitional Product Specific Safeguard Duty) Rules, 2002, by i) M/s. Aditya Birla Nuvo Ltd., Indian Rayon Compound, Veraval, Gujarat; ii) M/s Insulators and Electrical Company, 1-8, New Industrial Area, PB Box.1, Mandideep-462046, Madhya Pradesh; iii) M/s. Modern Insulators Ltd., Post Box No. 23 Abu Road-307026, Rajasthan and iv) M/s. WS Industries (India) Ltd., 108, Poonamelle Road, Porur, Chennai-600116, for imposition of Safeguard Duty on imports of Electrical Insulators into India, to protect the domestic producers of Electrical Insulators against market disruption and threat of market disruption caused by the increased imports of Electrical Insulators from China PR.

2. Domestic Industry: The application has been jointly filed by i) M/s. Aditya Birla Nuvo Ltd., Indian Rayon Compound, Veraval, Gujarat; ii) M/s Insulators and Electrical Company, 1-8, New Industrial Area, PB Box.1, Mandideep-462046, Madhya Pradesh; iii) M/s. Modern Insulators Ltd., Post Box No. 23 Abu Road-307026, Rajasthan and iv) M/s. WS Industries (India) Ltd., 108, Poonamelle Road, Porur, Chennai-600116, for imposition of Safeguard Duty on imports of Electrical Insulators. The applicants account for more than 70% of the total production of Electrical Insulators in India. The petition is also supported by M/s BHEL, New Delhi 110049.

3. Product Involved: The present application is filed for imposition of Safeguard duty on increased imports of 'Electrical Insulators, made of Porcelain / Ceramic or Glass, whether assembled or unassembled, originating in or exported from China P.R, classified under Heading 85.46 of the Customs Tariff Act, 1975. The Porcelain/Ceramic Insulators (classified under Heading 8546.20) and Glass Insulators (classified under Heading 8546.10) are considered as like or similar article considering their characteristics, manufacturing process, function and interchangeable uses. The domestically produced Electrical Insulator of Ceramics is comparable to the imported 'Electrical Insulators', made of Porcelain / Ceramic or Glass. The main function of

Electrical Insulator is to insulate one conduction body from another at high voltage areas or to insulate a body which can transmit electrical energy to the surrounding, at areas where such transmission of electrical energy has to be avoided.

4. **Period of investigation (POI):** Present application is a fresh case based on market disruption/threat of market disruption being faced by the domestic industry. The POI in the case has been taken from 2008-09 onwards till 2011-12(up to Dec., 2011).

5. **Increased Imports:** Imports of Electrical Insulators from People's Republic of China into India have shown sharp and significant increase throughout the injury period. The data relating to imports of Electrical Insulators from 2008-09 onwards as per World Trade Atlas duly verified, is as under:

Import of Insulators from China PR in MT

	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12 (upto Dec.)
Ceramic Insulator	7676	9685	13768	9535
Glass Insulator	4358	6737	12782	11706
Total Import	12034	16422	26550	21241
Ceramic % Increase over 2008-09	100	26	79	24
Glass % Increase over 2008-09	100	55	193	169
Total% Increase over 2008-09	100	36	121	135

It is evident that imports of the product under consideration have sharply increased during the injury period. The imports from China P.R have increased from 12034 MT in 2008-09 to 21241 MT till 2011-12 (Dec.) recording an increase of 135% on annualized basis.

6. **Market disruption to the Domestic industry:** The applicants (hereinafter referred to as DI) have claimed that the increased imports of Electrical Insulators have caused and are threatening to cause market disruption to the domestic producers of Electrical Insulators. The increased imports are also undercutting the prices, forcing the DI to reduce price to such an extent that DI is compelled to sell at loss. The growth of DI has turned negative and it is unable to increase its production and sales in tandem with the rate of increase in consumption. The threat of market disruption is clearly visible from the data provided by the applicants as detailed below:

a) **Production:** The domestic production increased up to FY 2010-11, but declined drastically thereafter. The production index of Domestic Industry fell to 109 in 2011-12(December, 2011) from 122 in FY 2010-11, as shown below:

TABLE-A

Financial Year	Production (MT)	Production Indexed	Imports from China P. R.(MT)	Imports from China Indexed
2008-09	73723	100	12034	100
2009-10	78404	106	16422	136
2010-11	90264	122	26550	220
2011-12(Dec. 2011)	60285	109	21241	235

1946GI/12-3

The imports from China P. R. continued to increase rapidly in relation to domestic production in India. The index of import from China increased to 235. The domestic production index, in comparison, rose merely to 109 in 2011-12(Dec.).

b) Market Share & Changes in levels of Sales: The market share of the DI has declined sharply in the recent period whereas share of the import from China P. R. has increased significantly. Applicants had a market share of 57.6% in 2008-09 which fell to 53.3% during 2011-12(December); i.e. a decline of about 4.3%. During the same period, market share of import from China nearly doubled from 11.8% in 2008-09 to 22.8% in 2011-12(December).

TABLE-B

In MT

Financial Year	Import from China	Import from other countries	Total Import	Sales of DI	Sales of other Indian Producers	Total Demand	% of Market Share		
							DI	China Import	Other Countries
2008-09	12034	1465	13499	58684	29630	101813	57.6	11.8	1.4
2009-10	16422	739	17161	65927	30805	113893	57.9	14.4	0.6
2010-11	26550	611	27161	77059	28970	133190	57.9	19.9	0.5
2011-12(Dec.)	21241	454	21695	49674	21769	93138	53.3	22.8	0.5

Though the sales of the domestic industry increased up to FY 2010-11, it declined in the most recent period from 77059 MT in 2010-11 to 66232 MT (annualized) in 2011-12. This decline in sales is despite the fact that the demand increased significantly from 101813MT in 2008-09 to 124184 MT (annualized) in 2011-12. It clearly shows that the DI suffered discernible loss in sales as well as market share, caused by increased imports from China P. R.

c) Capacity Utilization: The increasing imports are resulting in significant idling of production capacity of the domestic producers. The capacity utilization by the DI has sharply declined in recent period from 78% in 2008-09 to 64% in 2011-12(Dec.) as can be seen in the Table below:

TABLE-C

Installed Capacity & Production in MT

Financial Year	Installed Capacity	Production	Capacity Utilisation (%)
2008-09	94680	73723	78
2009-10	111380	78404	70
2010-11	122130	90264	74
2011-12(in Dec. 2011)	93810	60285	64

d) Profit/loss – The increased imports are undercutting prices forcing DI to reduce the selling prices. The profitability of the domestic industry has steeply deteriorated and the domestic industry is now suffering financial losses. This is evident from the table below:-

TABLE-D

Financial Year	Profitability (Indexed)
2008-09	100
2009-10	53.54
2010-11	29.9
2011-12(Dec.)	(125.9)

From a position of profit in 2008-09, the DI is now suffering huge losses.

e) **Inventories** – In view of surging imports and loss of market share, the inventories with the domestic industry have also increased significantly. The table below depicts the inventory levels which have witnessed a massive surge from 6038 MT in 2008-09 to 8719 MT in 2011-12(December) reflecting the plight of the domestic industry.

TABLE-E

Financial Year	Inventory (in MT)
2008-09	6038
2009-10	6319
2010-11	5959
2011-12(Dec.)	8719

The DI has been forced to shut down the production for prolonged period due to accumulation of high stocks.

f) **Productivity & Employment:** There is increase in the level of employment keeping in tandem with increasing capacity. The productivity too had been rising till 2010-11 but has since gone down during 2011-12(Dec.). Due to loss of market share and accumulation of high inventory, the DI had to stagger the production and face drop in productivity.

TABLE-F

Financial Year	Production (MT)	Employment (Nos.)	Employee Productivity
2008-09	73723	6130	12
2009-10	78404	6788	12
2010-11	90264	6885	13
2011-12(Dec.)	60285	7131	11

7. The DI has requested in their application for immediate imposition of Safeguard duty on imports of Electrical Insulators originating from People's Republic of China for a period of four

years. They have also requested for imposition of provisional safeguard duty in view of the steep deterioration in performance of the domestic industry due to market disruption and the threat of market disruption as a result of increased imports of the product under consideration from China P. R.

8. The application has been examined and it has been found that prima facie increased imports of Electrical Insulators have caused and are threatening to cause market disruption to the domestic producers of Electrical Insulators and as such it has been decided to initiate an investigation in the matter through this notice.

9. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan; 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg,
Gole Market, New Delhi-110 001,
INDIA.

Telephone: 011- 23741537

FAX: 011-23741542

E-mail: dgsafeguards@nic.in

10. All known interested parties are also being addressed separately.

11. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 21 days from the date of this notice.

[F. No. D-22011/14/2011]

INDRANI DUTT MAJUMDER, Director General